सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 14 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 15 फरवरी, 2024
मूल्य ₹ 3/-

चांस लीजिये। ये खुद को टेस्ट करने का सबसे अच्छा तरीका है। मजे करिए और पूरा जोर लगाइए।

-रिचर्ड ब्रैनसन

टी-20 विश्वकप में रोहित को भारत... 7
चुनाव पर नजर, सियासत का... 3
अमेठी-रायबरेली कांग्रेस का गढ़... 2

चुनावी बॉन्ड पर मोदी सरकार को सुप्रीम झटका

विपक्ष के निशाने पर आई बीजेपी सरकार

शीर्ष अदालत ने इलेक्टोरल बॉन्ड को असंवैधानिक करार दिया

» सीजेआई बोले- गोपनीयता व मतदाता के अधिकार का उल्लंघन

» एसबीआई 2019 से अब तक चुनावी बॉन्ड से जुड़ी पूरी जानकारी दे

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को चुनावी बॉन्ड मामले में केंद्र की मोदी सरकार को करारा झटका दिया है। शीर्ष अदालत ने सरकार की इस योजना को रद्द कर दिया और कहा कि यह संविधान प्रदत्त सूचना के अधिकार और बोलने तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन करती है। इस फैसले के बाद राजनीति प्रतिक्रिया भी आनी शुरू हो गई है। विपक्ष ने इसे एक अच्छा फैसला बताया है। कुछ नेताओं ने इसे बीजपी का स्कैम बताया है। ज्ञात हो कि प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने योजना को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर दो अलग-अलग लेकिन सर्वसम्मत फैसले सुनाए। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि यह संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत बोलने तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन है। पीठ ने कहा कि नागरिकों की निजता के मौलिक अधिकार में राजनीतिक गोपनीयता, संबद्धता का अधिकार भी शामिल है।

चुनावी बॉन्ड योजना को सरकार ने दो जनवरी 2018 को अधिसूचित किया था। इसे राजनीतिक वित्तपोषण में पारदर्शिता लाने के प्रयासों के तहत राजनीतिक दलों को दिए जाने वाले दान के विकल्प के रूप में पेश किया गया था। योजना के प्रावधानों के अनुसार, चुनावी बॉन्ड भारत के किसी भी नागरिक या देश में निगमित या स्थापित इकाई द्वारा खरीदा जा सकता है। कोई भी व्यक्ति अकेले या अन्य व्यक्तियों के साथ संयुक्त रूप से चुनावी बॉन्ड खरीद सकता है। शीर्ष अदालत ने कहा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को 2019 से अब तक चुनावी बॉन्ड से जुड़ी पूरी जानकारी देनी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा कि चुनावी बांड योजना, आयकर अधिनियम की धारा 139 द्वारा संशोधित धारा 29(1)(सी) और वित्त अधिनियम 2017 द्वारा संशोधित धारा 13(बी) का प्रावधान अनुच्छेद 19(1)(ए) का उल्लंघन है। शीर्ष अदालत ने आदेश दिया कि चुनावी बांड जारी करने वाला बैंक, यानी भारतीय स्टेट बैंक, चुनावी बांड प्राप्त करने वाले राजनीतिक दलों का विवरण और प्राप्त सभी जानकारी जारी करेगा। उन्हें 6 मार्च तक भारत के चुनाव आयोग को सौंप देगा। ईसीआई इसे 13 मार्च तक आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित करेगा। साथ ही राजनीतिक दल इसके बाद खरीददारों के खाते में चुनावी बांड की राशि वापस कर देंगे। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के कई मायने हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से सरकार पर भी असर पड़ेगा।

चुनाव आयोग 13 मार्च तक डाले सब जानकारी

चुनाव आयोग को 13 मार्च तक इस जानकारी को अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित करना होगा। राजनीतिक दल इसके बाद खरीददारों के खाते में चुनावी बांड की राशि वापस कर देंगे। इस योजना से सत्ताधारी पार्टी को फायदा उठाने में मदद मिलेगी। चुनावी बांड योजना को यह कहकर उचित नहीं ठहराया जा सकता कि इससे राजनीति में काले धन पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। दानदाताओं की गोपनीयता महत्वपूर्ण है, लेकिन पूर्ण छूट देकर राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता हासिल नहीं की जा सकती।

इलेक्टोरल बॉन्ड क्या है?

चुनावी बांड ब्याज मुक्त धारक बांड या मनी इंस्ट्रूमेंट था जिन्हें भारत में कंपनियों और व्यक्तियों द्वारा भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की अधिकृत शाखाओं से खरीदा जा सकता था। ये बांड 1,000 रुपये, 10,000 रुपये, 1 लाख रुपये, 10 लाख, और 1 करोड़ रुपये के गुणकों में बेचे जाते थे। किसी राजनीतिक दल को दान देने के लिए उन्हें केवाईसी-अनुपालक खाते के माध्यम से खरीदा जा सकता था। राजनीतिक दलों को इन्हें एक निर्धारित समय के भीतर भुनाना होता था। दानकर्ता का नाम और अन्य जानकारी दस्तावेज पर दर्ज नहीं की जाती है और इस प्रकार चुनावी बांड को गुमनाम कहा जाता है। किसी व्यक्ति या कंपनी की तरफ से खरीदे जाने वाले चुनावी बांड की संख्या पर कोई सीमा नहीं थी। सरकार ने 2016 और 2017 के वित्त अधिनियम के माध्यम से चुनावी बांड योजना शुरू करने के लिए चार अधिनियमों में संशोधन किया था। ये संशोधन अधिनियम लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम , 1951, (आरपीए), कंपनी अधिनियम, 2013, आयकर अधिनियम, 1961, और विदेशी योगदान विनियमन अधिनियम, 2010 (एफसीआरए), 2016 और 2017 के वित्त अधिनियमों के माध्यम से थे। 2017 में केंद्र सरकार ने इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम को वित्त विधेयक के रूप में सदन में पेश किया था। संसद से पास होने के बाद 29 जनवरी 2018 को इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम की अधिसूचना जारी की गई थी।

राजनीतिक वित्तपोषण के लिए था बॉन्ड : सरकार

केंद्र सरकार ने इस योजना का बचाव करते हुए कहा कि धन का उपयोग उचित बैंकिंग चैनलों के माध्यम से राजनीतिक वित्तपोषण के लिए किया जा रहा है। सरकार ने आगे तर्क दिया कि दानदाताओं की पहचान गोपनीय रखना जरूरी है, ताकि उन्हें राजनीतिक दलों से किसी प्रतिशोध का सामना न करना पड़े।

भाकपा व कॉमन काज ने दायर की थी याचिका

इस योजना को जनवरी 2018 में घोषित होने के तुरंत बाद भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), कॉमन कॉज और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) सहित कई पार्टियों द्वारा चुनौती दी गई थी। कॉमन कॉज और एडीआर का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील प्रशांत भूषण ने तर्क दिया था कि नागरिकों को वोट मांगने वाली पार्टियों और उम्मीदवारों के बारे में जानकारी पाने का अधिकार है। हालांकि कंपनियों के वित्तीय विवरण कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की वेबसाइटों पर उपलब्ध हैं, जो सैद्धांतिक रूप से किसी को दान के स्रोत को जानने की अनुमति दे सकते हैं। भूषण का कहना था कि भारत में लगभग 23 लाख पंजीकृत कंपनियां हैं। भूषण ने तर्क दिया था कि इस पद्धति का उपयोग करके यह पता लगाना कि प्रत्येक कंपनी ने कितना दान दिया है, एक सामान्य नागरिक के लिए संभव नहीं होगा। सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने योजना में और अधिक कथित कमियों पर प्रकाश डाला। उनका कहना था कि इस योजना में ऐसा कुछ भी नहीं है जिसके लिए दान को चुनाव प्रक्रिया से जोड़ा जाना आवश्यक हो। उनका कहना था कि एसबीआई के स्वयं के एफएक्यू अनुभाग में कहा गया है कि बांड राशि को किसी भी समय और किसी अन्य उद्देश्य के लिए भुनाया जा सकता है। याचिकाकर्ताओं में एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर), कांग्रेस नेता जया ठाकुर भी शामिल है। केंद्र सरकार की ओर से अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए थे। सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने याचिकाकर्ताओं की तरफ से पैरवी की थी।

राजनीतिक दलों की फंडिंग के बारे में जानकारी आवश्यक : चंद्रचूड़

सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि चुनावी बॉन्ड के माध्यम से कॉर्पोरेट योगदानकर्ताओं के बारे में जानकारी का खुलासा किया जाना चाहिए क्योंकि कंपनियों द्वारा दान पूरी तरह से बदले के उद्देश्य से है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ का कहना है कि दो अलग-अलग फैसले हैं एक उनके द्वारा लिखा गया और दूसरा न्यायमूर्ति संजीव खन्ना द्वारा और दोनों फैसले सर्वसम्मत हैं। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि राजनीतिक दल चुनावी प्रक्रिया में प्रासंगिक इकाइयां हैं और चुनावी विकल्पों के लिए राजनीतिक दलों की फंडिंग के बारे में जानकारी आवश्यक है।

कितना पैसा और कौन लोग देते हैं इसका खुलासा होगा : जया ठाकुर

चुनावी बॉन्ड योजना की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर याचिकाकर्ता जया ठाकुर ने कहा, अदालत ने कहा कि राजनीतिक पार्टियों को कितना पैसा और कौन लोग देते हैं इसका खुलासा होना चाहिए। 2018 में जब यह चुनावी बॉन्ड योजना प्रस्तावित की गई थी तो इस योजना में कहा गया था कि आप बैंक से बॉन्ड खरीद सकते हैं और पैसा पार्टी को दे सकते हैं जो आप देना चाहते हैं लेकिन आपका नाम उजागर नहीं किया जाएगा, जो कि सूचना के अधिकार के खिलाफ है। इन जानकारियों का खुलासा किया जाना चाहिए।

कोर्ट ने असीमित योगदान को भी खत्म कर दिया : प्रशांत भूषण

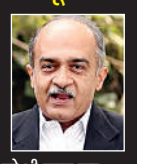

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद वकील प्रशांत भूषण ने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड योजना को रद्द कर दिया है और इसे लागू करने के लिए किए गए सभी प्रावधानों को रद्द कर दिया है। उन्होंने कंपनियों द्वारा राजनीतिक दलों को दिए जा रहे असीमित योगदान को भी खत्म कर दिया है। याचिकाकर्ताओं के अनुसार, चुनावी बॉन्ड से जुड़ी राजनीतिक फंडिंग पारदर्शिता को प्रभावित करती है और मतदाताओं के सूचना के अधिकार का उल्लंघन करती है।

अमेठी-रायबरेली कांग्रेस का गढ़ नहीं : अखिलेश

» वीडियो जारी कर सपा प्रमुख ने एमपी सीएम पर कसा तंज, कहा- उन्हें बतपुतली के रुप में पहली बार देख रहे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने राजस्थान से आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए बुधवार को यहां अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद सपा नेता अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया दी है। पूर्व यूपी सीएम अखिलेश यादव ने यह कहकर विपक्षी गठबंधन की चिंताएं बढ़ा दी हैं कि रायबरेली कांग्रेस का गढ़ नहीं है। अखिलेश यादव ने कहा, अमेठी-रायबरेली लोकसभा सीटें कांग्रेस का गढ़ नहीं हैं, समाजवादी पार्टी हमेशा से इन सीटों पर कांग्रेस की मदद करती रही है। सोनिया गांधी के राज्यसभा जाने और प्रियंका गांधी के रायबरेली से चुनाव लड़ने के सवाल पर समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि अमेठी-रायबरेली कांग्रेस की पारंपरिक सीट जरूर रही है, लेकिन वो कांग्रेस का गढ़ नहीं है, सपा-कांग्रेस में इंडिया अलायंस में सीट शेयरिंग को लेकर बातचीत अटकी हुई है, इस बीच अखिलेश यादव के इस बयान से कांग्रेस की नाराजगी जरूर बढ़ सकती है।

रायबरेली लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाली 77 वर्षीय सोनिया गांधी पहली बार 1999 में कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद वहां से सांसद चुनी गई थीं। सोनिया गांधी ने 2019 में घोषणा की थी कि यह उनका आखिरी लोकसभा चुनाव होगा। अटकलें लगाई जा रही हैं कि सोनिया गांधी के इस बार चुनाव नहीं लड़ने के बाद उनकी बेटी प्रियंका गांधी वाड्रा रायबरेली लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ सकती हैं। वह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बाद राज्यसभा में प्रवेश करने वाली गांधी परिवार की दूसरी सदस्य होंगी। इंदिरा गांधी अगस्त 1964 से फरवरी 1967 तक उच्च सदन की सदस्य थीं। अखिलेश यादव ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव पर तंज कसा है। अपने एक स अकाउंट पर मुख्यमंत्री मोहन यादव का एक वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा कि- कठपुतली तो सुना था, बतपुतली पहली बार देख रहे हैं। जिनको ये ना मालूम हो कि कहना क्या है, उनका क्या सुनना? अखिलेश ने यह तंज सीएम मोहन यादव के आजमगढ़ दौरे के बाद किया है। अखिलेश ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा-कठपुतली तो सुना था, बतपुतली पहली बार देख रहे हैं, जिनकी बात की डोरी भी किसी और के हाथ में है। आजमगढ़ की जनता कह रही है जिनको ये न मालूम हो कहना क्या है, उनको सुनना क्या। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आखिरकार स्वामी प्रसाद मौर्य के इस्तीफे पर अपनी चुप्पी तोड़ दी है। उन्होंने कहा कि स्वामी प्रसाद वरिष्ठ नेता हैं। ये पार्टी के अंदर की बात है। हम इसका समाधान निकाल लेंगे। इसके पहले, स्वामी प्रसाद मौर्य ने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव के पद से इस्तीफा देने के बाद को मीडिया को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि मैंने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव के पद से इस्तीफा दे दिया है। अब आगे क्या करूंगा ये इस पर निर्भर करता है अखिलेश यादव क्या करते हैं? अब गेंद उनके पाले में हैं। स्वामी प्रसाद सपा से विधान परिषद सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि मैंने हमेशा ही बहुजन समाज की लड़ाई लड़ी है और आगे भी यही करता रहूंगा।

बोले- स्वामी प्रसाद वरिष्ठ नेता, सब सुलझ जाएगा

मेरे खिलाफ हो रहीं बयानबाजी रोकवाएं अखिलेश : मौर्य

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान के बाद महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य के तेवर थोड़ा नरम हो गए। स्वामी प्रसाद ने कहा कि उन्होंने महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया है। अब गेंद राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के पाले में है। अखिलेश के अगले निर्णय पर उनका (स्वामी प्रसाद) आगे का कदम तय होगा। स्वामी प्रसाद मौर्य ने गोमती नगर स्थित अपने आवास पर कहा कि वह लगातार पार्टी का जनाधार बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन कुछेक बड़े नेताओं के साथ-साथ छुटभैये नेता भी उनके बयान को निजी बयान बताते हुए अनाप-शनाप बोल रहे हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि उन्होंने सोमवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश से मिलकर पूरी स्थिति से अवगत कराया। उनसे यह भी कहा, मेरे खिलाफ इस तरह की बयानबाजी पर रोक लगवाएं या फिर मुझे अपना रास्ता तय करने के लिए स्वतंत्र कर दें। उन्होंने कहा कि भगवान शिलाग्राम की पूजा-अर्चना को लेकर उनका कोई मतभेद नहीं है। वह सभी धर्मों का समान रूप से सम्मान करते हैं।

वोट न देने पर सदस्यता चली जाएगी : रामगोपाल

राज्यसभा चुनाव के लिए सपा के उम्मीदवारों को लेकर पार्टी विधायक व अपना दल कमेरावादी नेता पल्लवी पटेल ने सपा नेतृत्व पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सपा को पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक समाज के लोग वोट करते हैं लेकिन राज्यसभा के उम्मीदवारों में पीडीए के लोग शामिल नहीं हैं। ये पीडीए के साथ धोखा है। मैं इसमें शामिल नहीं हूं। इस पर सपा के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव ने जवाब दिया कि न करें वोट, कोई ऐसा नहीं है जो वोट न करे राज्यसभा में। उन्होंने कहा कि जो वोट नहीं करेगा उसकी सदस्यता चली जाएगी। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज के लोग भाजपा के खिलाफ लड़ाई में अखिलेश यादव के साथ मजबूती से खड़ा है। उम्मीदवारों में मुस्लिम प्रत्याशी न होना उनके साथ धोखा है। उन्होंने कहा कि उम्मीदवारों की घोषणा में उनकी राय नहीं ली गई है। उन्होंने राज्यसभा चुनाव में सपा उम्मीदवारों के पक्ष में वोट न करने का एलान किया है। उन्होंने कहा कि मैं इस धोखाधड़ी में शामिल नहीं हूं।

हेमंत की नीतियों पर जारी रहेगा काम : चंपई सोरेन

» बोले- ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत बनाएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सरायकेला/रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने कहा कि वे पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के कार्यकाल में बनीं कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार राज्य में बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। चंपई सोरेन ने कहा, पूर्व सीएम के कार्यकाल में बनीं सभी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा।

उन्होंने राज्य में आर्थिक, सामाजिक, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों को मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया।उन्होंने कहा, झारखंड में प्रचुर मात्रा में खनिज भंडार हैं। दुर्भाग्य से, राज्य के लोग ऐसे लाभों से वंचित हैं। सीएम ने लोगों को सड़क, बिजली और पानी जैसे बुनियादी ढांचे में सुधार का भरोसा भी दिलाया। औद्योगिक मोर्चे पर अधिक प्रोत्साहन दिया जाएगा।

जरांगे ने सारी हदें पार कर दी हैं : नारायण राणे

» कहा- पीएम की रैली रोकने की दी थी धमकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रैलियों को बाधित करने की धमकी देने के लिए मराठा आरक्षण के लिए आंदोलन कर रहे कार्यकर्ता मनोज जारांगे पर निशाना साधा। राणे ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भूख हड़ताल पर बैठे कार्यकर्ता ने सारी हदें पार कर दी हैं। केंद्रीय मंत्री स्वयं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र इकाई से एक प्रमुख मराठा नेता हैं।

राणे ने कहा, मनोज जरांगे ने एक बेतुकी और संवेदनहीन टिप्पणी की है कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए महाराष्ट्र में किसी भी जगह का दौरा करना मुश्किल कर देंगे। उसने सारी हदें पार कर दी हैं। मैं आपको चुनौती देता हूं कि जब प्रधानमंत्री मोदी महाराष्ट्र का दौरा करें तो आप अपनी जगह से हिल भी नहीं पाएंगे। मैं उन्हें मराठाओं का नेता नहीं मानता। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ऐसा लगता है कि उन्हें कुछ मानसिक झटका लगा है और वह ऐसी टिप्पणियां कर रहे हैं जिनका कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता को अपनी सीमाएं जाननी चाहिए और हद में रहना चाहिए।

साइरस पूनावाला को मिले भारत रत्न : पवार

पुणे। पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार ने टीका उत्पादन के क्षेत्र मे काम के लिए सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के संस्थापक डॉ. साइरस पूनावाला की प्रशंसा की और उन्हे भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग की। पवार डॉ. पूनावाला को मोहन धारिया राष्ट्रनिर्माण पुरस्कार से सम्मानित करने के बाद बोल रहे थे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख ने कहा, टीका निर्माण मे उनका काम उत्कृष्ट है। शुरुआत मे, सरकार ने उन्हे पद्म श्री से सम्मानित किया। हम इससे संतुष्ट नही थे, लेकिन बाद में सरकार ने उन्हे पद्म भूषण से सम्मानित किया। पवार ने कहा, विश्व स्तर पर टीके के क्षेत्र मे उनके महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए, मेरी दृढ़ राय है कि सरकार को उनकी मान्यता को केवल पद्म भूषण पुरस्कार तक ही सीमित नही रखना चाहिए क्योंकि वह भारत रत्न के हकदार है।

मजूमदार की हालत के लिए सीएम ममता जिम्मेदार : शुभेंदु अधिकारी

» संदेशखाली में प्रदर्शन के दौरान लाठीचार्ज में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। बंगाल में भाजपा और सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस के बीच संघर्ष जारी है। इस बीच नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ निशाना साधा और उनकी आलोचना की। गौरतलब है कि हाल ही में संदेशखाली में प्रदर्शन के दौरान पुलिस की लाठीचार्ज में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सुकांत मजूमदार घायल हो गए थे। नेता प्रतिपक्ष ने मजूमदार की स्थिति का जिम्मेदार मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को ठहराया है।

नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पश्चिम बंगाल पुलिस ने सुकांत मजूमदार के साथ दुर्व्यवहार किया है। यह जानबूझकर किया गया है। इन सबकी जिम्मेदार ममता बनर्जी है। वहां, सैकड़ों पुलिसकर्मी तैनात थे। सुकांत को मारने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया था। सुकांत की हिरासत अवैध है। सुकांत फिलहाल आईसीयू में हैं। वे लगातार उल्टियां कर रहे हैं। वह खाना भी नहीं खा पा रहे हैं। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने गृह मंत्रालय को एक रिपोर्ट सौंपी है। रिपोर्ट में प्रदर्शनकर्ताओं का कहना है कि स्थानीय लोग अपने आरोपों की जांच के लिए एक विशेष जांच समिति का गठन किया जाए। रिपोर्ट में बोस ने कहा कि मैंने संदेशखाली का दौरा किया और पीड़ितों से बात की है।

चुनाव पर नजर, सियासत का असर

पार्टियों में नेताओं का आना-जाना शुरू

- गठबंधनों में भी उठा-पटक जारी
- दिग्गज नेताओं को रास नहीं आ रही अनदेखी
- एनडीए गठबंधन का दक्षिण में असर नहीं
- कांग्रेस-एनसीपी के विलय की अफवाहें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जैसे-जैसे चुनाव करीब आ रहे है सियासी भगदड़ मची हुई है। यूपी में सपा भी इससे अछूती नहीं है। पार्टी ने जैसे ही लोस व रास सभा के लिए प्रत्याशियों की घोषणा कीं घमासान शुरू हो गया। स्वामी प्रसाद मौर्य ने जहां महासचिव के पद से इस्तीफा दे दिया तो पल्लवी पटेल ने सपा को रास में वोट ने देने की अपी कर डाली । ऐसा नहीं कि केवल ये सब सपा में ही हो रही है बीजेपी व कांग्रेस में भी उठापटक जारी है। जिनको टिकट मिला वह तो प्रसन्न है जिसे नहीं मिला वह नाराज हो गया है। राज्यसभा के टिकटों को लेकर सपा में खुला विरोध सामने आया है। पूर्व कैबिनेट मंत्री व एमएलसी स्वामी प्रसाद मौर्य ने पिछड़ों को उचित भागीदारी न दिए जाने का आरोप लगाते हुए सपा के राष्ट्रीय महासचिव के पद से इस्तीफा दे दिया है। सपा विधायक और अपना दल (कमेरावादी) की नेता पल्लवी पटेल ने पार्टी के राज्यसभा प्रत्याशी को वोट न देने का एलान कर दिया है। उनका कहना है कि समाजवादी पार्टी पीडीए के हकों के साथ न्याय नहीं कर रही है। इसलिए वह सपा को प्रत्याशियों को वोट नहीं देंगी। वहीं बसपा ने लोक सभा की चुनाव अकेले लड़ने का फैसला किया है। इसी क्रम में पंजाब में उसका व शिअद का गठबंधन टूट गया है।

नेशनल डेमोक्रेटिक एलांयस वर्तमान में 25 राज्यों में सीधे तौर पर प्रभावी है। पर दक्षिण में असर उतना नहीं है जितना कांग्रेस नीत गठबंधन इंडिया का। बीजेपी कहां-कहां प्रभावी, वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी सीधे तौर पर उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, अरुणाचल, गोवा, त्रिपुरा में प्रभावी है, इन राज्यों में पार्टी अकेले दम पर सरकार में है। इसके अलावा बीजेपी बिहार, महाराष्ट्र, सिक्किम और मेघालय में भी प्रभावी हैं और सरकार में दूसरे नंबर की भूमिका में है। झारखंड, बंगाल, हिमाचल और कर्नाटक में भी बीजेपी का मजबूत जनाधार है और पार्टी इन राज्यों में फिलहाल विपक्ष में है। दक्षिण के तेलंगाना और तमिलनाडु में भी बीजेपी का जनाधार है, लेकिन यहां पार्टी तीसरे नंबर की भूमिका में है। जम्मू-कश्मीर में भी बीजेपी का अपना जनाधार है। बिहार में जेडीयू, लोजपा (दोनों गुट), हम और आरएलजेडी सियासी तौर पर प्रभावी हैं। इसी तरह महाराष्ट्र में शिवसेना, एनसीपी, पीजेपी और आरपीआई (अठावले) का मजबूत जनाधार है। यूपी में अपना दल (सोनेलाल), आरएलडी, निषाद पार्टी और सुभाषपा का भी क्षेत्रीय स्तर पर जनाधार है, कर्नाटक में जेडीएस तीसरे नंबर की पार्टी है। असम और हरियाणा में जो सहयोगी है, उसी के बदौलत राज्य में एनडीए की सरकार है। बात सीटों की करें तो एनडीए के दल लोकसभा की 500 सीटों पर सीधे तौर पर प्रभावी हैं। आंध्र की 25 और केरल की 20 सीटों ही एनडीए और उसके गठबंधन के दलों का कोई मजबूत जनाधार नहीं है।

महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव की तैयारियों के बीच अटकलें लगाई जा रही है कि क्या शरद पवार गुट की एनसीपी का कांग्रेस में विलय होगा? इस बीच पवार की बेटी और सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि यह गलत खबर है। इसके साथ ही पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख ने कहा कि एनसीपी विलय की खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। हम अलग चुनाव चिह्न के साथ लड़ने की तैयारी कर रहे हैं, हम महाविकास अघाड़ी में एनसीपी के तौर पर लड़ेंगे। वहीं सांसद अमोल कोल्हे ने कहा कि एनसीपी शरद पवार गुट के कांग्रेस पार्टी में विलय को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है। बता दें कि शरद पवार ने कांग्रेस से निष्कासन के बाद 1999 में पूर्व लोकसभा स्पीकर दिवंगत पी. संगमा और तारिक अनवर के साथ हृष्टक्क का गठन किया था। शरद पवार की उपस्थिति में बुधवार (14 फरवरी) को पुणे स्थित उनके आवास पर विधायकों और सांसदों की बैठक हुई। इस बैठक में राज्य के मौजूदा हालात और राज्यसभा चुनाव पर चर्चा हुई। बता दें कि पिछले दिनों शरद पवार गुट को बड़ा झटका लगा था, जब चुनाव आयोग ने 6 फरवरी को उनके भतीजे अजित पवार गुट को असली एनसीपी करार दिया था. आयोग ने अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट को एनसीपी का चुनाव चिह्न 'घड़ी' भी आवंटित कर दिया था। चुनाव आयोगन के फैसले को शरद पवार ने 13 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। इससे पहले अजित पवार ने सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल कर कहा था कि शरद पवार अगर याचिका दाखिल करते हैं तो उनका भी पक्ष सुना जाए।

पंजाब में बसपा-शिअद गठबंधन टूटा

पंजाब में बसपा ने शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के साथ गठबंधन तोड़ लिया है। इसके साथ ही पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव में अकेले उतरने का एलान भी कर दिया है। चंडीगढ़ में करीब चार घंटे चली बसपा की राज्यस्तरीय समिति की बैठक में शिअद के साथ गठबंधन खत्म करने पर सर्वसम्मति से फैसला लिया गया। इस बैठक में पार्टी के सभी सीनियर नेता मौजूद रहे। बैठक के दौरान, गठबंधन को लेकर हुई चर्चा में कहा गया कि शिअद की ओर से बसपा की लगातार अनदेखी करते हुए भाजपा के साथ गठबंधन की कोशिशें की जा रही हैं। बसपा का मानना है कि भाजपा जोकि दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, किसानों को कुचलने की असांविधानिक नीतियां बनाते हुए भारतीय संविधान को बदलने का काम कर रही है, के साथ बसपा कभी गठजोड़ नहीं कर सकती। बैठक के बाद, पार्टी के पंजाब, हरियाणा व चंडीगढ़ मामलों के केंद्रीय को-ऑर्डिनेटर रणधीर सिंह बेनीवाल ने कहा कि शिअद अब भाजपा के साथ गठबंधन कर रही है, इसलिए बसपा और शिअद के बीच गठबंधन ओर आगे नहीं चल सकता। आगामी लोकसभा चुनाव में बसपा अपने बलबूते पर चुनाव में उतरेगी। उन्होंने कहा कि शिअद द्वारा गठबंधन के बावजूद बसपा को लगातार अनदेखा किया जाता रहा है। ऐसे में एक साथ चलना संभव नहीं रह गया है। गौरतलब है कि तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसान आंदोलन के समय शिअद ने भाजपा के साथ अपना 25 साल पुराना गठबंधन तोड़ दिया था। उसके बाद शिअद ने बसपा के साथ गठबंधन करते पंजाब में विधानसभा चुनाव लड़ा, जिसमें शिअद को तीन और बसपा को एक सीट पर जीत हासिल हुई थी। गठबंधन के तहत उस समय शिअद ने 97 और बसपा ने 20 सीटों पर चुनाव लड़ा था लेकिन विधानसभा चुनाव के बाद दोनों दलों के बीच दूरियां बढ़ने लगीं और सहयोगी दल होने के बावजूद बसपा को शिअद द्वारा किसी राजनीतिक कार्यक्रम या बैठक में बुलाना बंद कर दिया गया था।

जया, आलोक रंजन रामजीलाल जायेंगे रास

इसके पहले, मंगलवार को राज्यसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी की तरफ से तीनों उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल कर दिया है। इस मौके पर उनके साथ सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव व शिवपाल सिंह यादव भी मौजूद हैं। समाजवादी पार्टी ने अभिनेत्री जया बच्चन, पूर्व केंद्रीय मंत्री रामजी लाल सुमन और यूपी के पूर्व मुख्य सचिव आलोक रंजन को उम्मीदवार बनाया है।

पल्लवी पटेल दिखीं नाराज, वोट न देने का किया एलान

पल्लवी ने कहा कि मैंने कभी सदस्यता के लिए राजनीति नहीं की। हमेशा वंचितों की हित की राजनीति की है। उन्होंने कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य एक कद्दावर नेता हैं और उन पर पार्टी के अंदर लगातार हमले बोले जा रहे हैं। स्वामी प्रसाद ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को भेजे त्यागपत्र में राज्यसभा टिकट को लेकर सीधे कोई आरोप नहीं लगाया है, लेकिन कहा है कि डॉ. आंबेडकर व डॉ. लोहिया समेत सामाजिक न्याय के पक्षधर महापुरुषों ने 85 बनाम 15 का नारा दिया था। सपा इस नारे को लगातार निष्प्रभावी कर रही है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव हर राजनीतिक मंच पर भाजपा पर पिछड़े, दलितों व अल्पसंख्यकों की उपेक्षा का आरोप लगाते हैं। अब सपा विधायक पल्लवी पटेल ने ही अखिलेश पर पीडीए की उपेक्षा का आरोप लगा दिया है।

विपक्षी दलों के पास वोट प्रतिशत करीब 60 फीसदी, दल 26

विपक्षी दलों ने राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस समेत 26 दलों का इंडिया गठबंधन तैयार किया है। इन दलों का वोट प्रतिशत करीब 60 फीसदी है। बीजेपी राजीव गांधी के 403 सीटों का रिकॉर्ड तोड़ने में जुटी है. वर्तमान की राजनीतिक परिदृश्य में बिना गठबंधन यह मुमकिन नहीं है.

40 दलों के साथ उतरेगी बीजेपी

लोकसभा चुनाव 2024 में पहली बार भारतीय जनता पार्टी 40 से ज्यादा सहयोगी दलों के साथ मैदान में उतरेगी। जयंत चौधरी की पार्टी के आने के बाद अब एनडीए के दलों की कुल संख्या 40 हो गई है। चंद्रबाबू नायडू की पार्टी टीडीपी के भी गठबंधन में आने की चर्चा है। सूत्रों के मुताबिक पंजाब के शिरोमणि अकाली दल और तेलंगाना की बीआरएस से भी बीजेपी हाईकमान की बातचीत चल रही है। सीट समझौते को लेकर अगर सहमति बनती है तो दोनों दल चुनाव की घोषणा से पहले एनडीए में शामिल हो सकते हैं। पिछले 26 सालों में यह पहली बार है, जब बीजेपी इतने बड़े गठबंधन के साथ चुनाव मैदान में उतरने जा रही है। अब तक बीजेपी 20-22 दलों के साथ ही चुनाव लड़ती रही है ऐसे में 40 दलों का साथ आना राजनीतिक चर्चा का विषय बन गया है।

एनडीए 98 में व इंडिया गठबंध 23 में बना था

एनडीए का मतलब है- नेशनल डेमोक्रेटिक एलांयस यानी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन। 1996 में संयुक्त मोर्चा की वजह से जब बीजेपी सरकार बनाने से चूक गई तो 1998 में एनडीए बनाने की पहल हुई.। एनडीए बनाने में जेडीयू के जॉर्ज फर्नांडिज और बीजेपी के लालकृष्ण आडवाणी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 2023 में बीजपी को घेरने के लिए यूपीए भंग कर इंडिया गठबंधन बना था। एनडीए के घटक दल अब तक साथ में मिलकर 6 लोकसभा चुनाव लड़ चुके हैं, जिसमें से 4 में जीत हासिल की और केंद्र में सरकार बनाई एनडीए के पहले चेयरमैन अटल बिहारी वाजपेयी थे। 2004 से 2012 तक आडवाणी ही इसके चेयरमैन रहे. एनडीए में दूसरा अहम पद संयोजक का होता है। जार्ज फर्नांडिज एनडीए के पहले कन्वीनर (संयोजक) रहे। आडवाणी के समय शरद यादव एनडीए के संयोजक थे। फिलहाल अमित शाह एनडीए के चेयरमैन हैं, लेकिन संयोजक का पद खाली है। अब यह पद फिर से जनता दल यूनाइटेड के किसी नेता को मिलने की बात कही जा रही है।

450 सीटों पर काफी मजबूत स्थिति मे विपक्षी इंडिया गठबंधन

इंडिया गठबंधन में पहले 28 दल शामिल थे, लेकिन जेडीयू और आरएलडी के निकल जाने के बाद अब 26 दल ही शेष है. इंडिया गठबंधन में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है, जिसकी 3 राज्यों (कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल) में सरकार है। इसके अलावा, आप पंजाब और दिल्ली, डीएमके तमिलनाडु, टीएमसी पश्चिम बंगाल, जेएमएम झारखंड और सीपीएम केरल की सत्ता में काबिज हैं। इंडिया गठबंधन में 3 राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस, सीपीएम और आप के अलावा सपा (यूपी), आरजेडी (बिहार), माले (बिहार), टीएमसी (बंगाल), शिवसेना-यीबीटी (महाराष्ट्र), एनसीपी-शरद (महाराष्ट्र), जेएमएम (झारखंड) और डीएमके (तमिलनाडु) जैसी महत्वपूर्ण पार्टियां हैं। सीटों के लिहाज से देखा जाए तो इंडिया गठबंधन भी लोकसभा की कुल 450 सीटों पर काफी मजबूत स्थिति में है। इंडिया गठबंधन आंध्र प्रदेश, ओडिशा जैसे राज्यों में मजबूत स्थिति में नहीं है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

मणिपुर को जलने से बचा नहीं पा रही सरकार!

केंद्र सरकार बड़ी-बड़ी बातें कर ही है। पर वह न तो किसानों को संतुष्ट कर पा रही है न ही मणिपुर को जलने से बचा पा रही है। एक साल होने वालें है समस्या का समाधान तो नहीं हो पा रहा बल्कि रह-रहकर हिंसा भड़कती रहती है और आमजन उसका शिकार बनते जा रहें है। सरकार है कि हाथ पर हाथ धरे बैठी है। दरअसल, मणिपुर के इम्फाल ईस्ट में मंगलवार को फिर हिंसा भड़क उठी। गोलीबारी में एक की मौत हो गई और 3 लोक घायल हैं। उपद्रवियों ने पेंगेई के पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में हमला किया और हथियार लूट गए। गोलीबारी, हमले और हथियारों की लूट के वीडियो भी सामने आए हैं। हिंसा के बाद का ड्रोन फुटेज सामने आया है। इसमें पहाड़ी पर मौजूद लोग अपने घायल और मृत साथियों को ले जाते नजर आ रहे हैं।

हिंसा में मरने वाले शख्स की पहचान 25 साल के सागोलसेम लोया के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि घायल हुए लोगों में से एक को पैर में और एक को कंधे में गोली लगी। हालांकि, वे खतरे से बाहर हैं। घायल हुए लोग मैतई समुदाय के हैं या कुकी के, यह अभी साफ नहीं हो पाया है। शांतिपुर इरिल नदी के पास जब गोलीबारी शुरू हुई तो वहां कुछ बच्चे फुटबॉल खेल रहे थे। उन पर भी हथियारबंद लोगों ने गोलियां चलाईं। घबराए हुए बच्चे अपनी जान बचाने के लिए झाड़ियों में छिप गए। इस दौरान वह घायल हो गए। बच्चों का भी वीडियो सामने आया है, जिसमें उनके पैरों में जख्म नजर आ रहे हैं। बच्चे रो रहे हैं और आस-पास गोलियों की तड़तड़ाहट सुनाई दे रही है। दरअसल, इम्फाल ईस्ट के खामेनलोक में जहां यह घटना हुई, वह मैतई बहुल इलाका है। इसके पास ही कांगपोकपी इलाका है, जो कुकी बहुल इलाका है। दोनों गुटों के बीच पहले भी हिंसा हुई है। राज्य में 3 मई 2023 से कुकी और मैतेई के बीच जारी जातीय हिंसा में 200 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। 1100 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। राज्य में अब तक 65 हजार से ज्यादा लोग अपना घर छोड़ चुके हैं। 6 हजार मामले दर्ज हुए हैं और 144 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने ो ऐलान किया था कि 1961 के बाद राज्य में आए लोगों को बाहर निकाला जाएगा। उन्होंने कहा- 1961 के बाद मणिपुर आने और बसने वाले लोगों की पहचान की जाएगी। वे किसी भी जाति या समुदाय के हों, उन्हें बाहर किया जाएगा। सियासी दल केवल राजनीति कर रहे है जबकि आमजन को अब भी न्याय का इंतजार है।

शांतिपुर इरिल नदी के पास जब गोलीबारी शुरू हुई तो वहां कुछ बच्चे फुटबॉल खेल रहे थे। उन पर भी हथियारबंद लोगों ने गोलियां चलाईं। घबराए हुए बच्चे अपनी जान बचाने के लिए झाड़ियों में छिप गए। इस दौरान वह घायल हो गए। बच्चों का भी वीडियो सामने आया है, जिसमें उनके पैरों में जख्म नजर आ रहे हैं। बच्चे रो रहे हैं और आस-पास गोलियों की तड़तड़ाहट सुनाई दे रही है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मांगों को सिरे चढ़ाने के लिए दिल्ली कूच

सुरजीत सिंह

नवंबर, 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कृषि कानूनों को वापस लेने के साथ ही किसान आंदोलन खत्म हो गया था। इसमें कुछ मांगों पर सहमति बनने के बाद समय-समय पर बातचीत कर समस्याओं का समाधान करने पर सहमति बनी। यह किसान आंदोलन ऐतिहासिक था। आंदोलन की समाप्ति के समय पंजाब में विधानसभा चुनावों का जोर था। लगभग सभी किसान यूनियनों ने आंदोलन के दौरान गैर-राजनीतिक रहने का संकल्प लिया था। उन्होंने आंदोलन के दौरान राजनीतिक दलों को करीब नहीं आने दिया। जब पंजाब में चुनावों का दौर शुरू हुआ तो सबसे पहले हरियाणा के गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने इस चुनाव में कदम रखा और राजेवाल ग्रुप समेत बाकी किसान संगठनों ने इसका विरोध किया। लेकिन जैसे-जैसे चुनाव का समय नजदीक आता गया, बलबीर सिंह राजेवाल संयुक्त किसान मोर्चा की जगह संयुक्त समाज मोर्चा का झंडा लेकर चुनाव मैदान में कूद पड़े और पूरे पंजाब में अपने उम्मीदवार उतार दिए।

राजेवाल जब चुनाव मैदान में उतरे तो किसान संगठनों ने कड़ा विरोध किया, लेकिन राजेवाल पीछे नहीं हटे। परिणामस्वरूप, राजेवाल की पार्टी को चुनाव में शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। केवल एक उम्मीदवार ही अपनी जमानत बचा पाया, बाकी सभी की जमानत जब्त हो गई। बलबीर सिंह राजेवाल अपने निर्वाचन क्षेत्र समराला में अपनी जमानत बचाने में विफल रहे। निस्संदेह, बलबीर सिंह राजेवाल बहुत बुद्धिमान किसान नेता हैं। किसान संगठनों में उनके स्तर के नेता विरले ही हैं। वह पूरे किसान आंदोलन में छाए रहे। वार्ता की मेज पर वे किसानों के मुद्दों पर अधिकारियों और भाजपा नेताओं पर भारी पड़े। जब वे बातचीत की मेज पर बैठते हैं तो पूरी तरह तैयार होकर आते हैं। आंदोलनकारी किसान संगठनों ने राजेवाल पर कई इल्जाम लगाए। इस हद तक कि उनके किसान संगठन को संयुक्त किसान मोर्चा से बाहर कर दिया गया। बाकी सभी किसान संगठन यदाकदा पंजाब में आंदोलन करते रहे।

कभी बंदी सिंहों के नाम पर तो कभी पंजाब के पानी को बचाने के नाम पर। उन्होंने कभी केंद्र सरकार को धमकाया तो कभी राज्य सरकार को, लेकिन ठोस आंदोलन नहीं बन सका। हाल ही में भारतीय किसान यूनियन (राजेवाल) ने पंजाब का पानी बचाने

के नाम पर चंडीगढ़ में धरने की घोषणा की थी, लेकिन इसे वापस ले लिया गया। अब जब लोकसभा चुनाव नजदीक हैं तो किसानों ने भी केंद्र सरकार पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। अब किसानों का आंदोलन दो गुटों में तब्दील हो गया है। एक तरफ संयुक्त किसान मोर्चा और दूसरी तरफ संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक)। संयुक्त किसान मोर्चा में मुख्य रूप से भारतीय किसान यूनियन (लखोवाल), राजेवाल, भारतीय किसान यूनियन (एकता उगराहां), कादियां किसान यूनियन, आजाद किसान संघर्ष कमेटी, पंजाब किसान यूनियन, किरती किसान यूनियन (हरदेव) जम्हूरी किसान सभा, भारतीय किसान संघ शामिल हैं। किरती किसान मोर्चा (रोपड़), दोआबा किसान संघर्ष कमेटी, राष्ट्रीय किसान यूनियन, अखिल भारतीय किसान महासंघ समेत सरकारी कर्मचारी, व्यापारी, दुकानदार और ट्रेड यूनियनों ने केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ 16 फरवरी के भारत बंद में हिस्सा लेकर मोर्चा खोल दिया है। जबकि मुख्य रूप से जगजीत सिंह डल्लेवाल के नेतृत्व में संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक), भारतीय किसान यूनियन (एकता सिद्धुपुर), किसान मजदूर संघर्ष समिति और भारतीय किसान यूनियन (क्रांतिकारी) किसानों की मांगों को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ सीधे तौर पर भिड़ गए हैं। गैर-राजनीतिक मोर्चा पहले किसान आंदोलन की तरह अपना 6 महीने का राशन ट्रॉलियों पर लादकर दिल्ली की ओर बढ़ रहा है। पंजाब भर से सरकार की पाबंदियों के बावजूद किसानों का कारवां आगे बढ़ रहा है। साल 2021 के आंदोलन में सभी किसान संगठन एक मंच पर आकर केंद्र सरकार के खिलाफ खड़े हुए थे।

प्रमुख किसान संगठनों ने दिल्ली मार्च से मुंह मोड़ लिया है। इनमें गुरनाम सिंह चढ़ूनी और राकेश टिकैत के संगठन शामिल हैं। दूसरी ओर, आम लोगों ने भी किसानों के रोजाना सड़क जाम करने के कार्यक्रमों का विरोध करना शुरू कर दिया है। आम तौर पर देखा गया है कि एक बार जब कोई आंदोलन सफल या असफल हो जाता है तो उसे दोबारा उसी रूप में खड़ा करना मुश्किल हो जाता है। किसान आंदोलन को लेकर केंद्र सरकार ने किसानों से बातचीत कर मसले को सुलझाने की कोशिश की, लेकिन कुछ मांगों और सहमति को छोड़कर मामला सिरे नहीं चढ़ पाया।

मत्स्य पालन इकोसिस्टम को बढ़ावा देने की पहल

अभिलक्ष लिखी

वित्तीय साल 2024-25 के लिए अंतरिम बजट में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के क्रियान्वयन में तेजी लाना एक उल्लेखनीय बिंदु है। इसका प्रयोजन मौसम में हो रहे बदलावों के प्रति सहनीय जल-कृषि, समुद्री उत्पादन, निर्यात में बढ़ोतरी और रोजगार के अवसर पैदा करना है। पिछले 10 सालों में, मछली उत्पादन दर में सालाना 8 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई है, जो कि वर्ष 2022-23 में सर्वोच्च मात्रा को छूते हुए 175.45 लाख टन रही, जबकि 2013-14 में उत्पादन 95.79 लाख टन था (इसमें 75 फीसदी उत्पादन योगदान देश के के भीतर मीठे, कम खारे और खारे पानी के मछली पालन का है)। बड़ी बात कि 2022-23 में प्रति हेक्टेयर मछली उत्पादन 4.7 टन रहा, जो कि 2013-14 में 3 टन था। दूसरी ओर, हमारे सी फूड निर्यात में मुख्यत: बर्फ में लगा झींगा- 111 प्रतिशत का इजाफा दर्ज हुआ है।

इस संदर्भ में, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत अनेकानेक सफलता गाथाएं फली-फूलीं। इस केंद्रीय योजना और राज्य सरकारों एवं केंद्रशासित प्रदेशों की सरकारों के सहयोग से मत्स्य उत्पादन संवर्धन में प्राथमिक एवं उच्चतर स्तर पर 2.8 करोड़ मछुआरों-मछली पालकों को पेश आ रही समस्याओं को दूर किया गया। उदाहरणार्थ सौम्या सत्यानारायणा कर्नाटक के एक मछली पालक हैं और रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम तकनीक को अपनाकर, बहुत महंगी बिकने वाली मछली, जैसे कि तिलापिया का उत्पादन सफलतापूर्वक कर रहे हैं। इस तकनीक से जहां मछली घनत्व बढ़ता है वहीं पानी की बचत भी होती है। झारखंड से नवकिशर गोप एक मछली पालक हैं, जो केज-कल्चर के जरिये पैंगसियस किस्म की मछली का उत्पादन कर रहे हैं, इस तकनीक में चारा डालने, पानी बदलते रहने और समय पर फसल लेने पर ध्यान देना शामिल है। हरियाणा के सिरसा की कुलदीप कौर अपने 1 हेक्टेयर के खारे खेत में बनाए मछली तालाब में झींगा उत्पादन कर रही हैं।

मत्स्य पालन विकास गाथा में महत्वपूर्ण अवयव है बुनियादी परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करना जैसे कि तटीय सूबों में मछली बंदरगाह और आगत-निर्गम केंद्र स्थापना। जल के भीतर कृत्रिम चट्टानों के निर्माण और समुद्र-नदियों में बाड़ाबंदी कर मछली का बीज डालकर मूल भंडार का घनत्व बढ़ाने पर सतत ध्यान दिया गया। ठीक इसी वक्त, मछुआरे महिला-पुरुषों के लिए अनेक सामाजिक कल्याण पहलकदमियों के लिए जरूरत के अवयव मुहैया करवाए गए। इनमें मछली के प्रजनन काल के दौरान शिकार पर प्रतिबंध वाले महीनों में जीवनयापन सहायता, दुर्घटना जीवन बीमा रकम में बढ़ोतरी और मत्स्य क्षेत्र में किसान क्रेडिट कार्ड से संस्थागत उधार मुहैया कराना शामिल है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना ने इस पुनीत विकास में तेजी के लिए पूर्णरूपेण सरकारी प्रयासों को सम्बल दिया है। छोटे स्तर के मछुआरों या मछली पालकों के जीवन को बेहतर बनाने, अंतरदेशीय और समुद्री मत्स्य उत्पादन क्षेत्र को आगे विकसित करने के लिए विशेषज्ञ कुछ अन्य विषयक जरूरतों को सुदृढ़ करने पर जोर देते हैं।

प्रथम, प्रतिस्पर्धा और पैमाने की बचतों में इजाफे के लिए क्लस्टर अथवा क्षेत्र आधारित तरीके अपनाना। एक्वापार्क बनाने की शुरुआत इन उपायों को अपनाने का प्रमाण है। इन पार्कों के जरिये सकल उत्पादन तंत्र का स्वरूप पहिए में धुरे और तीलियों की तर्ज पर सोचा गया है जिसमें केंद्र में धुरे के तौर पर है उत्तम गुणवत्ता वाली मछली का उत्पादन और तीलियों के रूप में बीज, चारे, फसल उपरांत प्रसंस्करण तंत्र, खरीद-फरोख्त सुविधा इत्यादि। यह मत्स्य संवर्धन पार्क अन्य वैकल्पिक आमदनी जैसे कि जल-बूटी, एक्वेरियम में रखी जाने वाली सुंदर मछलियों और मोतियों का उत्पादन के मौके भी प्रदान करेंगे। इस प्रकार के पार्क तमिलनाडु, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और उत्तराखंड में निर्माणाधीन हैं। द्वितीय, नवउद्यमों के लिए उद्यमित्ता एवं नवाचार के जरिये निजी क्षेत्र की भागीदारी वाला सक्रिय माहौल बनाना। जारा बायोटेक नामक स्टार्टअप इसका एक उदाहरण है, जो प्रशासनिक एवं विभागीय मदद से, जल-बूटी और प्रवाल-आधारित उत्पादन कर रहा है। उत्पादों की बिक्री ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के जरिये हो रही है, यहां तक कि यूके, ऑस्ट्रेलिया, जापान को निर्यात हो रहा है। मछलियों की बीमारियों की शिनाख्त, जल गुणवत्ता निगरानी और स्वचालित चारा मशीन प्रणाली बनाने वाले संलग्न नवउद्यमों की उपस्थिति में भी इजाफा होने लगा है।

तृतीय, उत्पादक और सहकारी संगठनों के जरिये प्रभावी भागीदारी बनाकर मछली भावों की सौदेबाजी में मछुआरों व मछली पालकों का हाथ ऊपर किया जा सकता है। ऑरोफिश नामक सहकारी संगठन इसका एक उदाहरण है, जो पुडुचेरी के अनिथा मुत्थूवेल द्वारा चलाया 20 मछुआरा समूहों का नेटवर्क है। सहकारी उद्यम मछली की खरीद जिम्मेवारीपूर्वक करते हुए बाजार में 'रेडी टू ईट' उत्पाद पेश करते हैं। ऐसे सहकारी और मछली उत्पादन संघों का आपस में समन्वय बनवाकर, डिजिटल व्यापार हेतु ओपन नेटवर्क बनाने के यत्न भी हो रहे हैं। कोचिन शिपयार्ड ऐसे उन्नत जहाजों का निर्माण कर रहा है तो स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन ने स्वदेशी तकनीक से विकसित करके आपातकालीन संदेश प्रेषण, मछली की बहुतायत वाले जलक्षेत्र की शिनाख्त और रियल टाइम में संपर्क बनाए रखने वाला तंत्र विकसित किया है।

फिटनेस के लिए हर गृहणी करे ये योगासन

बेहतर स्वास्थ्य के लिए हर उम्र के लोगों के लिए योगासन लाभदायक होता है। बच्चों से लेकर बड़े और पुरुषों से लेकर महिलाओं तक को नियमित योगासन का अभ्यास करना चाहिए। हालांकि ज्यादातर महिलाएं दिनभर के कामकाज के कारण खुद के लिए समय नहीं निकाल पातीं। नतीजा होता है कि महिलाओं को मोटापा, ब्लड प्रेशर, शुगर, थायराइड और घुटने के दर्द जैसी समस्याएं हो जाती हैं। ऐसे में योग महिलाओं को होने वाली इन सभी समस्याओं का स्थाई इलाज है। इन शारीरिक तकलीफों से दूर रहने और खुद को स्वस्थ रखने के लिए दिनभर के व्यस्त समय से खुद के लिए समय निकालकर कुछ योगासन जरूर करें। ये कुछ ऐसे योगासन हैं जो गृहिणी के लिए फायदेमंद हैं।

मलासन

इस योगासन का अभ्यास करने से पैरों और जांघों की हड्डियों को मजबूती मिलती है। साथ ही आसन पैरों में या जांघों में होने वाले दर्द में राहत मिलती है। मलासन का अभ्यास करने के लिए मैट बिछाकर सबसे सीधा खड़े हो जाएं। अब घुटनों को मोड़कर हाथों को नमस्ते के पोज में बैठ जाएं। इस दौरान घुटनों के बीच दूरियां बनाकर रखें। इस योगासन को करने से हिप्स और कमर की मांसपेशियां खुलती हैं और मसल्स को स्ट्रेच करता है, शरीर को टोन करने में मदद करता है और मेटाबॉलिज्म बढ़िया रहता है।

धनुरासन

धनुरासन महिलाओं के मासिक धर्म संबंधी विकृतियों को दूर करता है। इस योगासन से मांसपेशियों का अच्छा खिंचाव होता है, जिससे पेट की चर्बी कम होती है। धनुरासन करने के लिए पेट के बल लेट कर अपने घुटनों को मोड़ते हुए टखनों को हथेलियों से पकड़ें। अब अपने पैरों और बाहों को अपनी क्षमता के मुताबिक ऊपर उठाएं। ऊपर देखते हुए कुछ देर इसी मुद्रा में रहें और फिर सामान्य अवस्था में आ जाएं। इस प्रक्रिया को दोहराएं। इस आसन से शलभासन और भुजंगासन का लाभ भी मिलता है। यह आसन मेरूदंड को लचीला बनाता है, जिससे व्यक्ति का यौवनकाल अधिक समय तक रहता है।

बालासन

इस योगासन से शरीर लचीला बनता है। इस योगासन के अभ्यास से मानसिक शांति मिलती है और तनाव कम होता है। बालासन करने के लिए जमीन पर वज्रासन अवस्था में बैठ कर सांस अंदर लेते हुए अपने दोनों हाथों को सीधा सिर के ऊपर उठा लें। अब सांस बाहर छोड़ते हुए आगे की ओर झुकें। अपनी हथेलियों और सिर को जमीन पर टिकाते हुए लंबी सांस अंदर लें और बाहर छोड़ें। हाथों की उंगलियों को आपस में जोड़ते हुए सिर को दोनों हथेलियों के बीच में धीरे से रख लें। कुछ देर बाद पुरानी स्थिति में आ जाएं।

सुखासन

मानसिक और शारीरिक शांति के लिए सुखासन का अभ्यास मददगार है। इस आसन को योग की शुरुआत करने से पहले किया जाता है। ताकि सांस लेने की प्रक्रिया पर नियंत्रण किया जा सके। आसन को करने के लिए जमीन पर पालथी मारकर बैठ जाएं और दोनों आंखों को बंद करते हुए हथेलियों को घुटनों पर रखें। फिर गहरी सांस लें। यह प्रक्रिया दोहराएं। सुखासन एक बहुत ही सामान्य, बुनियादी और मूलभूत योग मुद्रा है जिसका अभ्यास प्राणायाम जैसे ध्यान और सांस लेने के व्यायाम करते समय किया जाता है। इसे कमल मुद्रा या पद्मासन के विकल्प के रूप में भी प्रयोग किया जाता है। मन को शांत करना और तनाव और चिंता को कम करने में मदद करता है। आसन में सुधार और पीठ को मजबूत बनाता है। कूल्हों को खोलता है और लचीलापन बढ़ाता है। आंतरिक शांति और विश्राम की भावना को बढ़ावा देता है। मूलाधार चक्र को सक्रिय करता है।

हंसना मना है

पत्नी ने गुस्से में पति से कहा: मैं तंग आ गई हूँ रोज की किच-किच से.. मुझे तलाक चाहीये! पति: ये लो चॉकलेट खाओ.. पत्नी (रोमांटिक होते हुए): मना रहें हो मुझे.. पति: नहीं रे पगली, मां कहती है, अच्छा काम करने से पहले,मीठा खाना चाहिए।

इंग्लिश ग्रामर की टीचर: आज हम नाउन पढ़ेंगे, टीचर: लड़की सबसे हंस के बात करती है, इसमें लड़की क्या है? पप्पू: मैडम जी वो लड़की बिगड़ी हुई है, किसी लड़के के चक्कर में पड़ी है।

पप्पू: पापा बुलेट दिला दो, बाप: पड़ोसन की लड़की को देख बस से जाती है.. पप्पू: यही तो देखा नहीं जाता!

पप्पू अपनी पत्नी से: अच्छा ये बताओ 'बिदाई' के समय तुम लड़कियां इतनी रोती क्यों हो? पत्नी: 'पागल' अगर तुझे पता चले..अपने घर से दूर ले जाकर कोई तुमसे 'बर्तन मंजवाएगा' तो तू क्या नाचेगा।

मेरे एक पड़ोशी है, जिनका नाम है 'भगवान' और उनकी लड़की का नाम है भक्ति, मम्मी बोलती है कि, बेटा भगवान की भक्ति में मन लगाया कर' अब मम्मी को कैसे समझाऊ की भक्ति में तो मन लगाता हुं, पर भगवान नहीं मान रहे।

कहानी — बैल और शेर

एक जंगल में तीन बैल रहा करते थे। तीनों आपस में अच्छे मित्र थे। वो घास चरने के लिए जंगल में एक साथ ही जाया करते थे। उसी जंगल में एक खूंखार शेर भी रहता था। इस शेर की कई दिनों से इन तीनों बैल पर नजर थी। वह इन तीनों को मारकर खा जाना चाहता था। उसने कई बार बैलों पर आक्रमण भी किया, लेकिन बैलों की आपसी मित्रता के कारण वो कभी सफल नहीं हो पाया। जब शेर उन पर हमला करता था, तो तीनों बैल त्रिकोण बनाकर अपने नुकीले सींगों से अपनी रक्षा करते थे। तीनों बैल साथ मिलकर कई बार शेर को भगा चुके थे, लेकिन शेर कैसे भी करके उन तीनों को खाना चाहता था। शेर यह समझ गया था कि जब तक ये तीनों साथ रहेंगे, इन्हें मारा नहीं जा सकता है। इसलिए, उसने एक दिन इन तीनों को अलग करने के लिए एक चाल चली। शेर ने बैलों को अलग करने के लिए जंगल में एक अफवाह उड़ा दी। अफवाह यह थी कि इन तीनों बैलों में से एक बैल अपने साथियों को धोखा दे रहा है। बस फिर क्या था, बैलों के बीच इस बात को लेकर शक बैठ गया कि आखिर वो कौन है, जो हमें धोखा दे रहा है? एक दिन इसी बात को लेकर तीनों बैलों में झगड़ा हो गया। शेर ने जो सोचा था, वो हो गया था। अब तीनों बैल अलग-अलग रहने लगे थे। उनकी दोस्ती टूट चुकी थी। अब वो अलग-अलग होकर जंगल में चरने जाने लगे थे। बस शेर को इसी मौके का इंतजार था। शेर ने एक दिन उन तीनों बैलों में से एक पर हमला बोल दिया। अकेले पड़ जाने की वजह से वह बैल शेर का मुकाबला नहीं कर पाया और शेर ने उसे मार डाला। कुछ दिनों के बाद शेर ने दूसरे बैल पर भी हमला कर दिया और उसे मारकर खा गया। अब सिर्फ एक बैल बचा था। वह समझ गया था कि शेर अब उसको भी मार डालेगा। उसके पास बचने की कोई उम्मीद नहीं थी। वह अकेले शेर का मुकाबला नहीं कर सकता था। एक दिन जब वह जंगल में घास चरने गया था, तो शेर ने उसे भी अपना शिकार बना लिया। शेर की चाल पूरी तरह कामयाब हुई और उसने तीनों बैलों की दोस्ती तोड़कर उन्हें अपना शिकार बना लिया था।

7 अंतर खोजें

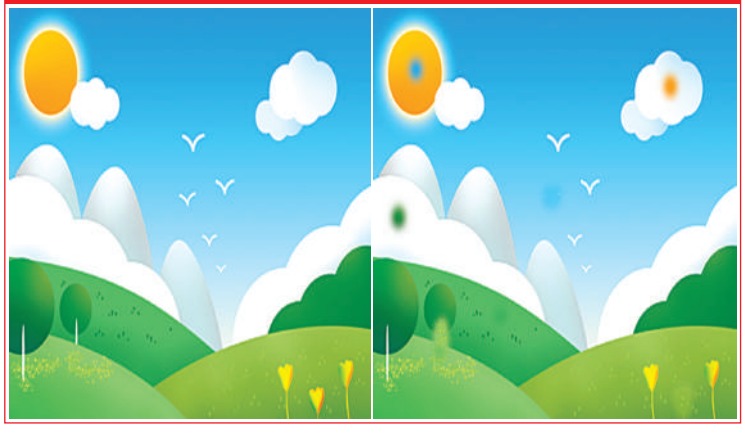

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। फालतू खर्च होगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। कारोबार में लाभ होगा।

वृषभ — यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। समय अनुकूल है, लाभ लें। प्रमाद न करें।

मिथुन — समय अनुकूल है। आय बनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। कुसंगति से बचें। घर-परिवार की चिंता रहेगी।

कर्क — डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेशादि मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में लाभ बढ़ेगा।

सिंह — योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा।

कन्या — कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में चैन रहेगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी।

तुला — बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। काम करने की इच्छा नहीं होगी। विवाद से क्लेश संभव है। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी।

वृश्चिक — स्वास्थ्य का ध्यान रखें। उत्साह की अधिकता तथा व्यस्तता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। कारोबार ठीक चलेगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें।

धनु — स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। प्रॉपर्टी के कामकाज बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। रोजगार मिलेगा।

मकर — रचनात्मक कार्य पूर्ण व सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आयोजन होगा। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। व्यस्तता रहेगी।

कुम्भ — विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। दुःखद समाचार मिल सकता है। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें।

मीन — मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

दीपिका पादुकोण ने बढ़ाया देश का मान

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में दीपिका पादुकोण ने अपनी एक्टिंग से मुकाम हासिल किया है। वहीं अब एक बार फिर से दीपिका ने देश को गर्व महसूस करवाया है। एक्ट्रेस लंदन में होने वाले बाफ्टा अवॉर्ड्स 2024 में बतौर प्रेजेंटर नजर आएंगी। दीपिका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट शेयर कर जानकारी दी है।

एक्शन फिल्म फाइटर में नजर आने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ब्रिटिश एकेडमी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन आर्ट्स (बाफ्टा) पुरस्कार देती नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बीते वर्ष अकादमी पुरस्कारों में आरआरआर के गाने नाटू नाटू पर लाइव प्रदर्शन किया था। दीपिका ने अपने इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में जाकर अपने फॉलोअर्स के साथ यह खबर शेयर करते हुए अपना आभार व्यक्त किया। अभिनेत्री ने बाफ्टा वेबसाइट से प्रस्तुतकर्ताओं की सूची का एक स्क्रीनशॉट भी शेयर किया है। एक्ट्रेस ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- आभार। समारोह में हन्ना वाडिंगम एक विशेष कवर गीत प्रस्तुत करेंगी, जबकि सोफी एलिस बेक्सटर मर्डर ऑन द डांसफ्लोर गाएंगी, जिसने हाल ही में साल्टबर्न के कारण रिलीज के दो दशक बाद लोकप्रियता हासिल की है। बाफ्टा फिल्म पुरस्कार रविवार को लंदन के रॉयल फेस्टिवल हॉल में होंगे। भारतीय दर्शक समारोह को लायंसगेट प्ले पर देख सकते हैं।

पुष्पा-2 में अल्लू अर्जुन की आइटम गर्ल बनेंगी दिशा पटानी

स्टारर फिल्म ब्लॉकबस्टर हिट 'पुष्पा: द राइज' के मोस्ट अवेटेड सीक्वल 'पुष्पा: द रूल' का लाखों दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म ने उस वक्त सिनेमा का मान बढ़ाया था जब कोरोना लोकडाउन था और ये वो मूवी है जो बिना प्रमोशन के ही हर ओर के दर्शकों को पसंद आई। डायलॉग्स के लेकर स्टार कास्ट का डांस और इसके गानों ने भी हर किसी का मन मोहा था। अब इस फिल्म के सीक्वल की शूटिंग जोरों पर चल रह ही है और पुष्पा 2 में कुछ नए स्टार्स भी नजर आएंगे। जैसे पिछले वाले भाग में सामंथा रुथ प्रभु ने एक आइटम गर्ल का रोल प्ले किया था था और अपने स्पेशल नंबर के जरिए वे देश व दुनियाभर में सेंसेशन बनकर उभरती थीं। अब उनकी जगह सीक्वल में सुशांत सिंह राजपूत की को-स्टार ने ली है।

जी हां, पुष्पा 2 के स्पेशल नंबर में सामंथा नहीं बल्कि बॉलीवुड सेंसेशन दिशा पटानी नजर आएंगी। फिल्म से यह एक बड़ा अपडेट है लेकिन दिशा पिछले साल से ही इसके स्पेशल में नंबर में रिप्लेस करने को लेकर चर्चा में हैं। पहली किस्त में सामंथा रुथ प्रभु के 'ऊ अंतवा' के लिए चुना गया था जिसमें उनका अल्लू अर्जुन संग सेंसुअस डांस स्टाइल ने हर किसी का अटेंशन लिया था। अब, जैसा कि 'पुष्पा' के निर्माता सीक्वल के मनोरंजन को बढ़ाने के लिए तैयार हैं, इसी बीच रिपब्लिक वर्ल्ड की रिपोर्ट से पता चलता है कि दिशा पटानी को एक नए गाने अब इसके अगले सीक्वल में आइटम गर्ल बनेंगी। दिशा पटानी अपने अट्रैक्टिव डांसिंग मूव्स और एनर्जेटिक पर्सनालिटी के लिए पहले से ही फेमस हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

बॉलीवुड में गलत जगह खर्च होते हैं पैसे : इमरान हाशमी

इमरान हाशमी ने अपनी अदाकारी से हमेशा ही खुद को साबित कर दिखाया है। वह किसी भी तरह की भूमिका में आसानी से खुद को ढाल लेते हैं। उन्होंने हीरो के तौर पर तो दर्शकों का दिल जीता ही है, साथ ही विलेन के अंदाज में भी इमरान को खूब तारीफें मिली हैं। पिछले दिनों उन्होंने सलमान खान की फिल्म टाइगर 3 में विलेन की भूमिका निभाकर हर किसी को हैरान कर दिया था। इस दौरान इमरान का एक अलग ही अंदाज देखने को मिला था। अब एक्टर अपनी अगली फिल्म को लेकर चर्चा में आ गए हैं। इसी के साथ वह साउथ इंडस्ट्री में भी कदम रखने जा रहे हैं। दरअसल, इमरान हाशमी को जल्द ही तेलुगु फिल्म 'ओजी' में देखा जाने वाला है। साउथ सुपरस्टार पवन कल्याण के लीड रोल वाली इस फिल्म में इमरान को एक बार फिर खलनायक बने देखा जाएगा। इसी बीच इमरान ने साउथ और बॉलीवुड सिनेमा में फर्क को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने हाल ही में अपने एक इंटरव्यू में बताया कि कैसे साउथ फिल्म इंडस्ट्री, बॉलीवुड से बेहतर है। एक्टर ने यहां तक कह दिया कि हिन्दी सिनेमा में पैसों की बर्बादी की जाती है। एक इंटरव्यू में इमरान ने कहा, 'मुझे लगता है कि साउथ फिल्ममेकर्स हमसे कहीं ज्यादा अनुशासित हैं। उनकी फिल्मों में जो भी पैसा खर्च किया जाता है, वो स्क्रीन पर साफ नजर भी आता है। मुझे लगता है कि हिंदी सिनेमा में हम अक्सर गलत जगह पर पैसा खर्च कर देते हैं और यह स्क्रीन पर दिखता भी नहीं है। वे वीएफएक्स, स्केल और कहानियों पर बारीकी से काम करते हैं और उनकी फिल्मों में वो सब दिखता है। मुझे लगता है कि वह जिस तरह से फिल्में बनाते हैं, हमें उनसे बहुत कुछ सीखने की जरूरत है। इमरान हाशमी ने इसी के साथ साउथ फिल्मों में काम करने को लेकर भी बात की। उन्होंने इस इंटरव्यू में कहा, मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि एक दिन मैं साउथ फिल्म इंडस्ट्री में काम करूंगा, लेकिन यह एक शानदार स्क्रिप्ट है और मेरा किरदार भी बेहतरीन है। सुजीत बेहतरीन डायरेक्टर हैं और वह इस फिल्म को एक बड़े स्तर पर तैयार कर रहे हैं।

पानी ही नहीं, जमीन पर भी जिंदा रहती है ये मछली, खुद को बना लेती है पत्थर

ये दुनिया विचित्र जीवों से भरी हुई है। आपको यहां कई ऐसे जीव देखने को मिल जाएंगे जो अपनी ही प्रजाति के बाकी जीवों से पूरी तरह अलग हैं। अब मछलियों को ही ले लीजिए। मछलियां पानी के अंदर रहती हैं, बाहर निकलते ही उनकी मौत हो जाएगी। ये बात हर मछली के लिए सच है, सिवाए एक के। दुनिया की इकलौती मछली, जो पानी ही नहीं, जमीन पर भी जिंदा रहती है। ये खुद को 'पत्थर' भी बना लेती है। हम बात कर रहे हैं लंगफिश की, जिन्हें सलामांडर फिश के नाम से भी जाना जाता है। ये एक ताजे पानी की मछली है, जो पानी के साथ-साथ जमीन पर भी रहने के लिए चर्चित है। ये कई महीनों तक बिना पानी के रह सकती है। कई बार तो सालों तक ये बिना पानी के रह लेती है। आप सोच रहे होंगे कि आखिर ऐसा कैसे है, क्या उसे ऑक्सीजन की जरूरत नहीं पड़ती? दरअसल, इन मछलियों के रेस्पिरेटरी सिस्टम बेहद अनोखे और खास होते हैं। ये सीधे हवा से ऑक्सीजन ले सकते हैं। हम बात कर रहे हैं लंगफिश की, जिन्हें सलामांडर फिश के नाम से भी जाना जाता है। ये एक ताजे पानी की मछली है, जो पानी के साथ-साथ जमीन पर भी रहने के लिए चर्चित है। ये कई महीनों तक बिना पानी के रह सकती है। कई बार तो सालों तक ये बिना पानी के रह लेती है। आप सोच रहे होंगे कि आखिर ऐसा कैसे है, क्या उसे ऑक्सीजन की जरूरत नहीं पड़ती? दरअसल, इन मछलियों के रेस्पिरेटरी सिस्टम बेहद अनोखे और खास होते हैं। ये सीधे हवा से ऑक्सीजन ले सकते हैं। कई लंगफिश तो ऐसी होती हैं, कि जैसे-जैसे वो बड़ी होती हैं, वो हवा से ऑक्सीजन लेते-लेते वो गिल्स से ऑक्सीजन खींचना बंद कर देती है। पानी में रहने के बावजूद, उन्हें फिर बार-बार सतह पर आना पड़ता है, जहां से वो ऑक्सीजन लेती हैं। ऐसे में अगर ये पानी के नीचे ज्यादा देर तक रह गईं, तो ये डूब भी सकती हैं। इनका शरीर ईल की तरह लंबा होता है। जिसे ये मिट्टी के अंदर घुसा लेते हैं। जब इनके आसपास पानी होती है, तो ये किसी भी अन्य मछली की तरह ही हरकत करती हैं, पर जब पानी नहीं होता है, तब ये मिट्टी में काफी अंदर धंस जाती हैं। मुंह से मिट्टी को निगलती हैं और अपने गिल से बाहर की ओर निकालती हैं। जब ये एक तय गहराई तक नीचे पहुंच जाती है, तब ये मछली अपनी चमड़ी से म्यूकस जैसा पदार्थ निकालती है, जो उनके शरीर के बाहरी हिस्से को पूरी तरह ढक लेता है और उसे एक सख्त खोल बना देता है। सिर्फ उनका मुंह खुला रहता है, जिससे वो सांस लेते हैं। ये मछलियां, अफ्रीका, साउथ अमेरिका, और ऑस्ट्रेलिया के कुछ हिस्सों में पाई जाती हैं। ये अपने में बेहद ही अनोखी हैं।

अजब-गजब | कहीं शिव हैं, तो कहीं स्थापित हैं भगवान विष्णु!

इन मुस्लिम देशों में भी हैं हिंदू मंदिर

मलेशिया में यूं तो मुस्लिम आबादी ज्यादा है लेकिन यहां हिंदू और तमिल लोग भी रहते हैं। ऐसे में इस देश के गोम्बाच इलाके में बातू गुफाएं हैं, जहां कई मंदिर हैं। गुफा के प्रवेश द्वार पर हिंदू देवता मुरुगन की विशाल प्रतिमा है, जिन्हें भगवान विष्णु का रूप मानते हैं। इसी तरह इंडोनेशिया में भी मुस्लिम समुदाय की आबादी खूब है। वो बात अलग है कि यहां आज भी हिंदू मंदिरों की कोई कमी नहीं है बल्कि यहां की संस्कृति पर भी हिंदू देवी-देवताओं का प्रभाव है। यहां नौवीं सदी में बना प्रम्बानन मंदिर मशहूर है, जिसे देखने वहां जाने वाले लोग ज़रूर जाते हैं।

खाड़ी देशों की बात करें तो ओमान में भी हिंदू मंदिर हैं। साल 2018 में जब पीएम मोदी ओमान के दौरे पर गए थे, तो वे मस्कट में मौजूद शिव मंदिर पहुंचे थे। यहां उन्होंने पूजा-अर्चना की थी। इसके अलावा यहां विष्णु रूप श्रीकृष्ण का मंदिर भी है। बहरीन में भी हिंदू मंदिर मौजूद हैं क्योंकि भारत से बड़ी संख्या में लोग यहां काम की तलाश में जाते हैं। यही वजह है कि उनकी धार्मिक आस्था को देखते हुए यहां शिवजी का मंदिर और अय्यप्पा के मंदिर का निर्माण कराया गया।

अब यूएई की राजधानी अबू धाबी में भी हिंदुओं के लिए पूजा स्थल का निर्माण हो चुका है, जो यहां के आकर्षणों में से एक होगा। हालांकि दुबई में ज़रूर कुछ मंदिर मौजूद हैं लेकिन ऐसा भव्य मंदिर अब तक कहीं नहीं था। बात पड़ोसी मुस्लिम देशों की करें तो बांग्लादेश में भी हिंदू मंदिर है। यहां हिंदुओं की संख्या भले सिर्फ दस प्रतिशत हो, लेकिन राजधानी ढाका में ढाकेश्वरी माता का मंदिर है। यहां हिंदू श्रद्धालु अच्छी संख्या में आते हैं।

ऐसे में पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक खास मंदिर है। चकवाल में मौजूद इस मंदिर को कटासराज मंदिर कहा जाता है, जिसका निर्माण सातवीं सदी में हुआ था। मंदिर के परिसर में भगवान राम, हनुमान और शिवजी के मंदिर मौजूद हैं।

अडानी ग्रीन ने 551 मेगावाट सौर क्षमता का शुरू किया उत्पादन

आरई पार्क दुनिया का सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा प्रतिष्ठान होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने गुजरात के खावड़ा नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) पार्क में 551 मेगावाट सौर क्षमता शुरू करने की घोषणा की। कंपनी की योजना इस आरई पार्क में 30 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता विकसित करने की है, जिसके अगले पांच वर्षों में चालू होने की उम्मीद है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि पूरा होने पर खावड़ा आरई पार्क दुनिया का सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा प्रतिष्ठान होगा।

एजीईएल ने खावड़ा आरई पार्क पर काम शुरू करने के मात्र 12 महीनों के भीतर यह उपलब्धि हासिल की है। इसकी शुरुआत सड़कों और कनेक्टिविटी के साथ ही इंफ्रास्ट्रक्टर के विकास और एक आत्मनिर्भर सामाजिक इकोसिस्टम के निर्माण से की गई थी। एजीईएल कच्छ के रण के चुनौतीपूर्ण और बंजर इलाके को अपने 8,000-मजबूत कार्यबल के लिए रहने योग्य वातावरण में तब्दील करने में सक्षम रहा है।

यह क्षेत्र देश में सबसे उत्तम पवन और सौर संसाधनों में से एक है, जो गीगा-स्केल आरई विकास के लिए इसे आदर्श स्त्रोत बनाता है। एजीईएल ने न सिर्फ व्यापक अध्ययन किया, बल्कि विभिन्न नवीनतम समाधान भी जारी किए हैं, ताकि प्लांट के विकास में तेजी लाई जा सके। (अधिक जानकारी के लिए, अनुबंध-1 देखें)। इस प्रक्रिया में, यह एक स्वदेशी और सतत आपूर्ति श्रृंखला के विकास का समर्थन कर रहा है।

एजीईएल उच्च वैश्विक मानक स्थापित करेगी : अडानी

अडानी ग्रीन एनर्जी सौर और पवन के लिए दुनिया के सबसे व्यापक रिन्यूएबल एनर्जी इकोसिस्टम्स में से एक का निर्माण कर रही है। खावड़ा आरई प्लांट जैसे साहसिक और अभिनव प्रोजेक्ट्स के माध्यम से, एजीईएल उच्च वैश्विक मानक स्थापित करना और गीगा-स्केल रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट्स के लिए विश्व की योजना और निष्पादन मानकों को पुर्नस्थापित करना जारी रखता है। यह उपलब्धि वर्ष 2030 तक 500 गीगावॉट रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता और कार्बन तटस्थता के अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्यों की दिशा में भारत की न्यायसंगत स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण यात्रा को तेजी से बढ़ावा देने में अडानी ग्रुप की प्रतिबद्धता और अग्रणी भूमिका का प्रमाण है। भारत सतत ऊर्जा भविष्य पर वैश्विक संवाद को वास्तविक आकार दे रहा है। इसके अनुरूप, एजीईएल किफायती और विश्वसनीय स्वच्छ ऊर्जा में क्रांति लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

30 गीगावॉट रिन्यूएबल एनर्जी की क्षमता

एजीईएल की योजना इस आरई पार्क में 30 गीगावॉट रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता विकसित करने की है। उम्मीद है कि यह सुनियोजित प्लांट आगामी पाँच वर्षों में शुरू हो जाएगा। साथ ही यह भी उम्मीद है कि खावड़ा आरई पार्क, पूरा होने पर विश्व का सबसे बड़ा रिन्यूएबल एनर्जी प्रतिष्ठान होगा। खावड़ा आरई पार्क सालाना 16.1 मिलियन घरों को बिजली देने में कारगर साबित हो सकता है। एजीईएल को बड़े पैमाने पर रिन्यूएबल प्रोजेक्ट्स, मजबूत आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क और तकनीकी कौशल के विकास में विशेषज्ञता प्राप्त है। ऐसे में, इस रिकॉर्ड-सेटिंग गीगा-स्केल प्लांट के निर्माण के लिए एजीईएल सबसे अच्छी स्थिति में है, जिसका दुनिया के स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में कोई सानी नहीं है।

बस की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत, दो घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बुलंदशहर। बुलंदशहर जिले के छतारी थाना क्षेत्र में एक बस की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए हैं। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) राम करण ने बृहस्पतिवार को बताया, ''बुधवार देर शाम को क्षेत्र के छतारी इलाके के कमोना गांव में एक बस की चपेट में आने से विनोद (36), अशोक (35) और रिंकू (25) नामक व्यक्तियों की मौत हो गई।

सड़क के किनारे खड़े थे लोग

उन्होंने बताया कि यह तीनों कुछ अन्य स्थानीय लोगों के साथ सड़क किनारे खड़े थे जब तेज रफ्तार बस ने उन्हें टक्क र मार दी। हादसे में घायल हुए दो अन्य लोगों को बेहतर इलाज के लिए अलीगढ़ के अस्पताल भेजा गया है। हादसे के बाद बस चालक फरार हो गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मुख्यमंत्री सिद्धरमैया पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया है, जिसमें 2022 में एक विरोध मार्च के संबंध में उनके और अन्य के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने के अनुरोध संबंधी उनकी याचिका खारिज कर दी गई थी।

उच्च न्यायालय ने गत छह फरवरी को सिद्धरमैया, कांग्रेस महासचिव एवं पार्टी की कर्नाटक इकाई के प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला, मंत्री एम बी पाटिल और रामलिंगा रेड्डी पर 10-10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया था और उन्हें छह मार्च को सांसदाविधायक (एमपीएमएलए) के लिए विशेष अदालत के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया था। तत्कालीन ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री के एस ईश्वरप्पा के इस्तीफे की मांग को लेकर यहां तत्कालीन मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के आवास का घेराव करने के लिए प्रदर्शन मार्च निकालने के बाद सिद्धरमैया के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

शीर्ष कोर्ट पहुंचे संजय सिंह

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) नेता संजय सिंह ने दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। गत सात जनवरी को दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आप नेता की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इसके साथ ही ट्रायल कोर्ट को सुनवाई शुरू होने पर तेजी लाने का निर्देश दिया था। आप नेता संजय सिंह ने हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ याचिका अधिवक्ता विवेक जैन और अधिवक्ता रजत भारद्वाज के माध्यम से दाखिल की। संजय सिंह को गत चार अक्टूबर को ईडी ने गिरफ्तार किया था। उन्होंने हाई कोर्ट से इस आधार पर जमानत मांगी थी कि वह तीन माह से अधिक समय से हिरासत में हैं और दिल्ली सरकार की अब समाप्त हो चुकी उत्पाद शुल्क नीति के निर्माण और क्रियान्वयन में भ्रष्टाचार से जुड़े अपराध में उनकी कोई भूमिका नहीं बताई गई है।

सेंथिल की दूसरी जमानत अर्जी पर आज सुनवाई

चेन्नई। भ्रष्टाचार के एक मामले में गिरफ्तार तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी सेंथिल बालाजी की दूसरी जमानत याचिका मद्रास उच्च न्यायालय में सुनवाई के लिए आई। इससे एक दिन पहले तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने मंत्री पद से उनके इस्तीफे को स्वीकार कर लिया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नौकरी के बदले नकदी घोटाले में बालाजी को गिरफ्तार किया था और वह यहां पुझल जेल में बंद है। द्रमुक नेता की जमानत अर्जी बुधवार को न्यायमूर्ति एन आनंद वेंकटेश के समक्ष आई और वरिष्ठ अधिवक्ता सी आर्यमा सुंदरम ने बालाजी की ओर से पक्ष रखा। ईडी ने अपने जवाबी हलफनामे में आरोपी को जमानत नहीं दिए जाने की दलील दी। इसने उच्च न्यायालय से अनुरोध किया कि निचली अदालत को सुनवाई शुरू करने और निश्चित समयावधि के अंदर मामले का निपटारा करने का निर्देश दिया जाए। मामले में अगली सुनवाई बृहस्पतिवार को होगी।

टी-20 विश्वकप में रोहित को भारत की कमान

इस साल वेस्टइंडीज और अमेरिका में होंगे मुकाबले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

राजकोट। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने कहा कि इस साल वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी20 विश्व कप में रोहित शर्मा भारत की कप्तानी करेंगे। भारत के पास हार्दिक पंड्या के रूप में छोटे प्रारूप का पूर्ण कालिक कप्तान है लेकिन वनडे विश्व कप 2021 में ऑस्ट्रेलिया के हाथों फाइनल में हार के बाद विराट कोहली और रोहित जैसे सीनियर बल्लेबाजों ने जून में होने वाले टी-20 विश्व कप में खेलने की इच्छा जाहिर की।

शाह ने कहा,, हम 2021 में लगातार 10 जीत के बावजूद अहमदाबाद में विश्व कप नहीं जीत पाए लेकिन हमने दिलों को जीता। मैं आपसे वादा करना चाहता हूं कि 2024 (टी20 विश्व कप) में बारबाडोस (फाइनल का स्थान) में हम रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत का झंडा गाड़ेंगे। शाह खंडेरी में सौराष्ट्र क्रिकेट संघ स्टेडियम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस स्टेडियम का नाम अब अनुभवी क्रिकेट प्रशासक निरंजन शाह के नाम पर रखा गया है। इस अवसर पर पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर और अनिल कुंबले तथा आईपीएल के अध्यक्ष अरुण धूमल भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में चयन समिति के अध्यक्ष अजीत आगरकर, भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के अलावा रोहित शर्मा, मोहम्मद सिराज, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल और भारतीय टीम के सहयोगी स्टाफ के कुछ सदस्यों ने भी हिस्सा लिया।

किसानों से माफी मांगें प्रधानमंत्री : राहुल गांधी

» बोले- एमएसपी पर किसानों से की गई वादाखिलाफी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के मुद्दे पर किसानों से झूठ बोलने एवं वादा खिलाफी करने का आरोप लगाया और कहा कि इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देश से माफी मांगनी चाहिए। पार्टी ने यह भी दावा किया कि सिर्फ कांग्रेस की किसान न्याय गारंटी से ही किसानों की फसल के लिए स्वामीनाथ आयोग की अनुशंसा के मुताबिक एमएसपी सुनिश्चित हो सकती है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, मोदी, उनका प्रचारतंत्र और मित्र मीडिया गरीबों और किसानों के दुश्मन हैं। जब बात भारत बनाने वालों के हित की आती है तो सरकारी विशेषज्ञों को बजट की चिंता सताने लगती है, पर बात बजट की नहीं, नीयत की है।उन्होंने दावा किया, उद्योगपति मित्रों के लाखों करोड़ों के ऋण और कर माफी पर चुप, उन्हें जल, जंगल और ज़मीन भेंट किए जाने पर चुप, सार्वजनिक उपक्रमों को औने पौने दाम पर बेचे जाने पर चुप। पर किसानों को एमएसपी की गारंटी, गृहलक्ष्मियों को सम्मान और अग्निवीरों को पेंशन देने की बात पर – सवाल ही सवाल। उनके मुताबिक, इतिहास गवाह है कि कांग्रेस बड़े और क्रांतिकारी कदम लेने से कभी डरी नहीं है। हरित क्रांति हो, बैंक राष्ट्रीयकरण हो, पब्लिक सेक्टर्स का निर्माण हो या फिर आर्थिक उदारीकरण, हमारे फैसलों ने हमेशा देश के भविष्य की नींव रखी है।

कांग्रेस के फैसले राजनीति के लिए नहीं, देश के लिए : जयराम

कांग्रेस नेता ने कहा, हम फैसले राजनीति के लिए नही, देश के लिए करते है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, बार-बार वादा करने के बावजूद मोदी सरकार एमएसपी को कानूनी गारंटी देने से क्यो भाग रही है? वर्ष 2011 मे मुख्यमंत्री और एक कार्य समूह के अध्यक्ष के रूप मे नरेन्द्र मोदी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को एक रिपोर्ट सौपी थी, जिसमे कहा गया था कि हमे किसान के हितो की रक्षा के लिए कानूनी प्रावधानो के माध्यम से यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसान और व्यापारी के बीच कोई भी खरीद-बिक्री एमएसपी के नीचे न हो। उन्होने कहा, वर्ष 2014 मे लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान अपने कई भाषणो और चुनावी रैलियो मे उन्होने वादा किया था कि सभी फसले एमएसपी पर खरीदी जाएंगी, जिसमे सभी तरह की लागत और 50 प्रतिशत मूल्य (एमएसपी का स्वामीनाथन फॉर्मूला) शामिल होगा। लेकिन आज तक न तो एमएसपी की कानूनी गारंटी है और न ही यह सी250 प्रतिशत के स्वामीनाथन फॉर्मूला के आधार पर है।

प्रधानमंत्री मोदी का झूठ सामने आया : पवन खेड़ा

कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा, चुनाव प्रचार के दौरान नरेन्द्र मोदी जी ने किसानो को एमएसपी देने का झूठा वादा किया और प्रधानमंत्री बन गए। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी का झूठ तब सामने आया जब एमएसपी को लेकर उच्चतम न्यायालय मे एक हलफनामा दाखिल हुआ। इसमे मोदी सरकार ने साफ कहा कि हम इस तरह की एमएसपी नही दे सकते, जिसमे लागत इतनी ज्यादा हो। उन्होने दावा किया, प्रधानमंत्री मोदी ने न सिर्फ अपना वादा तोड़ा, बल्कि किसानो के रास्ते पर कील बिछवाई और उन्हे उपद्रवी कहने से भी नही चूके। कांग्रेस नेता ने कहा, आज जब किसान एमएसपी को लेकर फिर से धरना दे रहे है, तो उनपर रबर की गोलियां चलाई जा रही है, आंसू गैस के गोले छोड़े जा रहे है, रास्ते मे कीले बिछाई जा रही है। खेड़ा ने कहा, किसानो से झूठ बोलने के लिए, उच्चतम न्यायालय मे हलफनामा दाखिल करने के बाद पलटने के लिए प्रधानमंत्री को देश से माफी मांगनी चाहिए।

पुलवामा के शहीद जवानों के परिवारजनों से मिले कांग्रेस सांसद

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर हमला करते हुए पूछा कि आखिर पुलवामा आतंकी हमले में मारे गए सुरक्षा कर्मियों के परिवारों को न्याय कब मिलेगा। उन्होंने कहा कि पुलवामा आतंकवादी हमले पर अनगिनत सवालों का जवाब मिलना अभी भी बाकी है। 2019 में जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले की बरसी पर राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर कांग्रेस मुख्यालय में घटना में मारे गए सुरक्षाकर्मियों के परिवार के सदस्यों के साथ अपनी हालिया बातचीत का एक वीडियो साझा किया।राहुल गांधी शहीद सैनिकों के परिवार के सदस्य से बातचीत कर रहे हैं। इस दौरान सदस्यों ने राहुल गांधी के साथ अपनी परेशानियों को भी साझा किया। उनमें से कई सदस्यों ने यह भी पूछा कि हमले की जांच अब तक पूरी क्यों नहीं हुई है। राहुल गांधी ने वीडियो साझा करते हुए पोस्ट में लिखा, पुलवामा हमले के पांच साल! कोई सुनवाई नहीं, कोई उम्मीद नहीं और अनगिनत सवाल जिनका जवाब अभी तक नहीं मिला है। शहीदों को न्याय कब मिलेगा? इस बीच, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए कहा कि हम पुलवामा शहीदों के अदम्य साहस और वीरता को अपनी सच्ची श्रद्धांजलि और सलाम देते हैं। राष्ट्र हमेशा उनके सर्वोच्च बलिदान का ऋणी रहेगा।

झारखंड में कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का दूसरा चरण रद्द

झारखंड मे कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का बुधवार को शुरू होने वाला दूसरा चरण रद्द कर दिया गया है। पार्टी के नेताओ ने यह जानकारी दी। पार्टी नेताओ के मुताबिक पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार भारत जोड़ो न्याय यात्रा बृहस्पतिवार को बिहार के औरंगाबाद से फिर से शुरू होगी। पार्टी सूत्रो ने बताया कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के राष्ट्रीय राजधानी मे किसानो के आंदोलन मे भाग लेने के लिए रवाना होने के कारण यह कार्यक्रम रद्द किया गया है। निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक यह यात्रा बुधवार को छत्तीसगढ़ से गढ़वा जिले के माध्यम से झारखंड मे फिर से प्रवेश करने वाली थी। राहुल गांधी को राज्य में अपनी यात्रा के दूसरे चरण के लिए बुधवार को छत्तीसगढ़ से आगे बढ़ते हुए गढ़वा जिले से होकर झारखंड मे फिर से प्रवेश करना था। गढ़वा जिले के रंका मे मनरेगा श्रमिको के साथ निर्धारित बातचीत कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश और अन्य पार्टी नेताओ द्वारा की गई।

फोटो : 4पीएम

मौसम ने ली करवट

लखनऊ में आज सुबह कोहरे की चादर देखने को मिली। साथ ही ठंडी हवाएं भी चलीं। मौसम विभाग के मुताबिक, 17 फरवरी से शहर का मौसम साफ रहने और धूप निकलने की संभावना है। वहीं अयोध्या और कानपुर में आज लोगों को सर्दी से राहत मिलने का अनुमान लगाया जा रहा है।

बीजेपी में कई मंत्रियों का कटा पत्ता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 28 निवर्तमान सांसदों में से, भाजपा ने केवल चार को फिर से नामांकित किया है, जिनमें इसके अध्यक्ष जेपी नड्डा, दो केंद्रीय मंत्री और मुखर राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी शामिल हैं।

धर्मेंद्र प्रधान और भूपेन्द्र यादव जैसे सात केंद्रीय मंत्रियों समेत कई वरिष्ठ भाजपा नेताओं और निवर्तमान राज्यसभा सांसदों को पार्टी ने द्विवार्षिक राज्यसभा चुनाव के लिए दोबारा नामांकित नहीं किया है। ऐसे संकेत हैं कि उनमें से कई आगामी लोकसभा चुनाव लड़ सकते हैं। सत्तारूढ़ दल ने 56 सीटों के

» 28 निवर्तमान सांसदों में से सिर्फ 4 को रास में किया रिपीट

चुनाव के लिए 28 उम्मीदवारों को नामांकित किया है। नए उम्मीदवारों में से तीन- बिहार से धर्मशीला गुप्ता, महाराष्ट्र से मेधा कुलकर्णी, और मध्य प्रदेश से माया नारोलिया - पार्टी के महिला मोर्चा (महिला विंग) से संबद्ध हैं। पुनः नामांकित मंत्री अश्विनी वैष्णव और एल मुरुगन हैं। विशेष रूप से, भाजपा के किसी भी निवर्तमान राज्यसभा सदस्य, जिसने दो या अधिक कार्यकाल पूरा किया हो, को दोहराया नहीं गया है, सिवाय नड्डा के, जो तीसरे कार्यकाल के लिए तैयार हैं।

राजद से मनोज झा, संजय यादव ने किया नामांकन

पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राजद प्रमुख के बेटे तेजस्वी यादव के करीबी संजय यादव को पहली बार पार्टी से उम्मीदवार बनाया गया है। दोनों बृहस्पतिवार को यहां अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने बिहार में राज्यसभा चुनाव के लिए मनोज कुमार झा और संजय यादव को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। राज्य में राज्यसभा की कुल छह सीट रिक्त होने वाली हैं। पार्टी के एक बयान के अनुसार उम्मीदवारों के नाम को राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद ने अंतिम रूप दिया है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता झा का राज्यसभा में लगातार दूसरा कार्यकाल होगा। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राजद प्रमुख के बेटे तेजस्वी यादव के करीबी संजय यादव को पहली बार पार्टी से उम्मीदवार बनाया गया है। दोनों बृहस्पतिवार को यहां अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे।

रेलवे ट्रैक पर मांगों को लेकर किसानों का धरना

» केंद्र के साथ तीसरे दौर की बातचीत आज

विपक्ष ने बोला हमला, कहा- फेल हो गई सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। किसानों के दिल्ली कूच का आज तीसरा दिन है। कसान अपनी मांग को लेकर पीछे हटने को तैयार नहीं है। उन्होंने आज रेल रोको अभियान भी शुरू कर दिया है। उन्होंने रलवे लाइनों पर धरना शुरू कर दिया है। पंजाब में किसानों का रेल रोको आंदोलन भी शुरू हो गया है। साथ ही सभी टोल भी फ्री करवा दिए गए हैं।

राजनीतिक वार-पलटवार भी जारी है। विपक्ष ने इस मुद्दे पर मोदी सरकार को घेरते हुए कहा सरकार विफल हो गई है। इससे पहले मंगलवार को शंभू बॉर्डर पर हुए बवाल के बाद

बुधवार को भी तनाव की स्थिति बनी रही। शाम को तय हुआ कि गुरुवार शाम पांच बजे एक बार फिर केंद्र किसानों से बात करेगा। तब तक किसानों ने आगे न बढ़ने का निर्णय लिया है। टिकरी बॉर्डर से पहले सेक्टर 9 मोड़ पर तैनात बीएसएफ और आईटीबीपी के जवान खाना खाने के बाद बीमार पड़ गए। लूज मोशन की शिकायत के बाद सभी 11 जवानों को हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया। 5 जवानों को प्रारम्भिक उपचार के बाद छुट्टी मिल गई जबकि 6 जवानों का अभी भी उपचार चल रहा है। बहादुरगढ के गर्ल्स कॉलेज में बीएसएफ की टुकड़ी का ठहराव है। तीसरे दौर की बैठकमें केंद्रीय मंत्री पियूष गोयल, केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा और गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय शामिल होंगे जबकि किसानों की ओर से जगजीत सिंह डल्लेवाल, सरवण सिंह पंधेर, रमनदीप मान आदि किसान नेता शामिल होंगे।

किसानों के समर्थन में आम आदमी पार्टी ने 18 और 22 तारीख को होने वाली रैलियां

आप ने दो रैलियां कैंसिल की

स्थगित कर दी है। वहीं करनाल में किसान आंदोलन के कारण लंबा ट्रैफिक जाम लग गया है। जिसकी वजह से यात्रियों को दिल्ली में प्रवेश करने में देरी का सामना करना पड़ रहा है।

हमारे लिए जीवन-मृत्यु का मामला है : पंधेर

किसान नेता सरवण पंधेर ने कहा कि हमारी मांगें पुनरावृत्ति नहीं बल्कि हमारे लिए जीवन और मृत्यु का मामला है। हम अपनी बात मंत्रियों के सामने रखेंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।